DATE: / 20
PAGE No

Q-1 आधुनिक काल की राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं साहित्यिक परिस्थितियो का वर्णन कीजिए।

Ans यह एक सर्वमान्य तथ्य है कि युग की बदलती परिस्थितियो के साथ ही साहित्य भी बदलता है। आधुनिक काल में हिन्दी के साहित्य का जो रूप हमारे सामने आया है, उसके विकास में युगीन परिस्थितियो और का बहुत बड़ा योगदान है। इस प्रकार हम यहाँ पर आधुनिक युग की राजनीतिक सामाजिक आर्थिक, धार्मिक, साहित्यिक आदि परिस्थितियो का वर्णन करेंगे।

1 राजनीतिक परिस्थितियां ⟹ आधुनिक काल के आते-2 अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन सारे भारत में स्थापित हो चुका था। इससे भारतीयो में अत्याचार भी बढ़ने लगे थे। लैप्स की नीति द्वारा अंग्रेजो ने भारतीय देशी रियासतो को अपने साम्राज्य में मिलाना शुरू कर दिया था। सन1854 में झाँसी को भी अंग्रेजो ने अपने हाथ में ले लिया था। सन1857 में भारत के राजाओ ने तथा जनता ने स्वतंत्रता संग्राम शुरू किया किन्तु उन्हें हार का मुह देखना पड़ा। 1905 में बंग-भंग कि नीति पर बल दिया गया। सन् 1919 में रौलट एक्ट पास हुआ सन् 1921 मे महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन आरम्भ किया, जिसमें हिन्दु-मुस्लिमो ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। यह आंदोलन देशव्यापी था। 1937 में चुनाव हुए और अधिकतर प्रान्तो

DATE / 20
PAGE No

में कांग्रेस की सरकार बनी। सन् 1939 में जनता द्वारा सरकारी पदों से त्यागपत्र दिए गए। सन् 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन हुआ, 15 अगस्त, 1947 को भारत ने स्वतंत्रता प्राप्त की। तब से भारत का अस्तित्व अन्तर्राष्ट्रीय मानचित्र पर उभरता हुआ।

2. सामाजिक परिस्थितियाँ ⟹ भारत के सामाजिक जीवन में आधुनिक काल में जो चेतना आई उसका प्रमुख कारण भारत का पाश्चात्य संस्कृति के सम्पर्क में आना है। भारतीय जीवन में पुरानी परम्पराओं एवं रूढ़ियों का प्रचलन था, जिनमें सती-प्रथा, नर-बलि, बालिका हत्या, बाल-विवाह, विधवा विवाह आदि। इस युग में अरविन्द घोष, रवीन्द्रनाथ टैगोर और गांधी जी का भी समाज पर विशेष प्रभाव था।

3. धार्मिक परिस्थितियाँ ⟹ भारतीय एवं पाश्चात्य सांस्कृतिक विचारधाराओं के मेल से भारतीय वैष्णव भावना एवं आध्यात्मिकता ने मानवतावाद के रूप में अपने को स्थापित किया। स्वतंत्रता कि प्राप्ति के साथ भारत में धर्म-निरपेक्ष राज्य कि स्थापना हुई, जिसमें राष्ट्रीय धर्म एवं मानवतावाद को सर्वोपरि स्थान मिला। स्वतंत्रता के प्राप्ति के बाद हमारी संस्कृति एवं धार्मिक दृष्टि अतिवाद के स्थान पर समन्वयात्मक हो गई।

4. आर्थिक परिस्थितियाँ ⟹ सन् 1857 के पश्चात् भारत में अंग्रेजी सत्ता का पंजा और भी मजबूत हो गया था उस समय अंग्रेजो ने

DATE: / 20
PAGE No

ऐसी आर्थिक नीतियां अपनाईं, जिसमें हमारे हस्त अथवा लघु उद्योग को हानि पहुंची। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के कारण देश में महंगाई, अकाल टैक्स आदि में वृद्धि हुई। जन-सामान्य का जीवन स्तर गिरता गया। लोग शोषण की चक्की में पिसने लगे। इस प्रकार स्वतंत्रता के पश्चात् भारतवर्ष में पंचवर्षीय योजनाएं बनाई गईं, जिनसे आर्थिक विकास हुआ और लोगों को आर्थिक शोषण से राहत मिली।

5 साहित्यिक परिस्थितियां ⟹ आधुनिक काल का साहित्य अपने पूर्ववर्ती साहित्य से विषय और शैली दोनों दृष्टियों से भिन्न है। इसकी भिन्नता का कारण यहां की राजनीतिक, आर्थिक व धार्मिक परिस्थितियों में आए परिवर्तन हैं। इस प्रकार रीतिकाल की साहित्यिक भाषा, भाव व शैली सभी कुछ रूढ़िग्रस्त थी जो आधुनिक काल की आवश्यकताओं के अनुकूल नहीं थी। इसलिए आधुनिक काल की परिस्थितियों के अनुकूल ही साहित्य में भी आत्यधिक परिवर्तन हुए। आधुनिक काल में काव्य भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नई कविता में अनेक आन्दोलनों की सीढ़ियां चढ़ता हुआ अपने चर्मोत्कर्ष पहुंचा है। भारतीय एवं पाश्चात्य विचारधाराएं तथा आदर्शवाद, समाजवाद, मानववाद मार्क्सवाद, गांधीवाद आदि ने हिन्दी साहित्य के आधुनिक युग को प्रभावित किया है।